

- interficere. MAH. 3. 1683.: भीष्मः ... संसाध्यश्च रणे; R. Schl. II. 64. 69.: शोको माम् ... संसाधयति. 3) obtinere, capere. MAN. 8. 50.: स्त्रकं संसाधयन् धनम्. 4) instruere aliquem aliquâ re. R. Schl. II. 36. 9.: सर्वकामैः ... रामः संसाध्यताम्.
- साधक (r. साध s. ऋक) utilis. IN. 5. 56.
- साधन n. (r. साध s. ऋन) 1) effectio. HIT. 129. 4. 2) divitiâ, opes. ऋसाधन inops. HIT. 9. 1.
- साधर्म्य n. (a सधर्मिन् communia officia habens - e स + धर्म s. इन् - suff. य, v. gr. 651.) communitas officiorum, vel conditionis, statûs. UR. 69. 16.
- साधारण (a साधारण - स + धारण - s. ऋ) communis, promiscuus. SAK. 54. 9.
- साधु (r. साध s. उ) 1) Adj. (f. °धु et °ध्वी) bonus, probus. IN. 1. 22. BR. 1. 27. N. 12. 122. — Adv. (acc. n.) bene, age. H. 4. 53. N. 9. 3. 2) Subst m. mercator. HIT. 63. 7. 65. 9. (Vid. r. साध.)
- साधुभाव m. (KARM. e praec. et भाव animus) benignitas, humanitas. BR. 1. 4.
1. साध्य (r. साध s. य) Adj. perfectus. Subst 1) n. perfectio. HIT. 3. 1. 2) m. nomen cujusdam Geniorum ordinis.
2. साध्य (a praec. s. ऋ) ad Sâdhyos pertinens. A. 4. 30.
- साधुस n. (fortasse a r. ध्वंस, ejectâ nasali, s. ऋ, praef. स, producto ऋ) timor. HIT. 55. 2. 4. UR. 48. 10.
- सानु m. n. planities in vertice montis. IN. 1. 25.
- सानुमत m. (a praec. s. मत) mons. UR. 70. 4.
- सान्त्व 10. p. (vid. शान्त्व, unde सान्त्व mutato ष् in सू) consolari, blandiri. N. 8. 12. 14. 14. 19. 21.
- c. परि id. IN. 2. 23.
- सान्त्व m. (v. शान्त्व, सान्त्व) blandimentum, consolatio. H. 4. 24.
- सान्द्र crassus, spissus, densus. AM. III. 3. 15.: घनं निरन्तरं सान्द्रम्; CAUR. 12.: सान्द्रविन्दुः.
- सान्ध्य (a सन्ध्या s. ऋ) ad diluculum vel crepusculum pertinens, matutinus, vespertinus. RAGH. 2. 23.: सामाप्य सान्ध्यञ्च विधिम् vespertinâque peractâ ceremoniâ.
- सान्निध्य n. (a सन्निधि propinquitas s. य) propinquitas. Accus. सान्निध्यम् Adv. in propinquitate, coram. IN. 5. 24.
- सान्निपातिक (a सन्निपात s. इक) ad id, quod सन्निपात dicitur, pertinens. HIT. 103. 19.
- सप्तपद n. (a सप्तपद septem passus habens - e सप्तन् et पद - s. ऋ) amicitia. SA. 5. 22.
- साफल्य n. (a सफल quod cum fructu est s. य) Abstractum ऋ सफल. HIT. 48. 7.
- साम् 10. p. (सान्त्वने क. सान्त्वे ऋ; ut videtur, pro शाम्, v. शान्त्व, सान्त्व) i. q. सान्त्व.
- सामन् n. (ut videtur, pro शामन्, a r. शम् s. ऋन्, v. शान्त्व, सान्त्व, साम्) 1) blanditio, blandimentum, placatio, comitas, benignitas. HIT. 3. 40. MAN. 7. 198. 8. 187. MAH. 1. 7435. 2) hymnus, carmen sacrum, precum formula. BH. 10. 35. 3) ut videtur, modus, modi, moduli cantûs. IN. 2. 28. a. et b. 4) nomen unius quattuor Vedorum. BH. 9. 17.
- सामर्थ्य n. (a समर्थ capax, aptus s. य) capacitas. N. 5. 24.
- सामान्य (a समान similis, aequalis, suff. य) communis, generalis, universalis. N. 13. 17. HIT. 5. 21.
- सामासिक (a सामास compositio vocabulorum) vocabulum compositum. BH. 10. 33.
- सामि Indecl. (ut mihi videtur, a सम similis, aequalis) semi, in initio comp. (Germ. vet. sâmi id., e. c. sâmiquet semivivus = सामिञ्जीव; anglo-sax. sâm, e. c. sâmboren seminatus, abortivus, sâmworht semifactus; lat. sêmi, gr. ἡμί).
- सामीप्य (a समीप s. य) vicinus. SA. 2. 8.
- साम्प्रतम् Adv. (a सम्प्रति s. ऋ in acc. n.) nunc. SAK. 23. 2. infr. UR. 25. 3. infr. — ऋसाम्प्रतम् Adv. inepte, incommode, absurde. HIT. 102. 14.
- साम्ब 10. p. i. q. 2. सम्ब.
- साम्य n. (a सम similis, aequalis, s. य) aequalitas, aequalitas. BH. 6. 33.
- साय m. vespera. Acc. सायम् Adv. vespere. N. 15. 9. (Cf. lat. sêrus, sêrum, v. gr. comp. 20.)